सरकारी स्कूलों में कमरे बनाने व गिराने का काला धंधा

फरीदाबाद (म.मो.) भांखरी गांव स्थित वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में सन 2013 में स्कूल की जरूरत को देखते हुए 13 कमरे बनाये गये थे। लेकिन ये कमरे इस लायक साबित न हो सके कि इनमें बच्चों को बैठाया जा सके, जबकि ग्रामीणों द्वारा निर्मित 50 साल पुरानी बिल्डिंग सही सलामत खड़ी है। 50 लाख की रकम से बनी इस बिल्डिंग की हालत को देख कर ही डर लगता है कि अब गिरी कि तब गिरी। इसलिये ये खंडरनुमा बिल्डिंग गांव वालों को मुंह चिढ़ा रही है।

अब सरकार ने इस बिल्डिंग को गिराने का फैसला लिया है। इसके लिये ठेकेदार की तलाश जारी है। यानी कि करदाता का पैसा पहले तो इस घटिया बिल्डिंग को बनाने में खर्च किया गया और अब उसके तोड़ने पर खर्च किया जायेगा। मजे की बात तो यह है कि विधायक सीमा त्रिखा ने इस स्कूल को गोद ले रखा है, तब यह हाल है।

सरकार में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों का यह कोई पहला या आखिरी कारनामा नहीं है। इससे पहले भी 'मज़दूर मोर्चा' ने गांव सेहतपुर स्कूल की काली कहानी प्रकाशित की थी। उसमें बताया गया था कि किस तरह से एक मास्टर को अधिकार देकर उस बिल्डिंग का निर्माण करवाया गया था। बिल्डिंग की जांच करने के पश्चात कुरूक्षेत्र इंजीनियरिंग कॉलेज के विशेषज्ञों ने इसे खतरनाक बताते हुए तोड़ने की सिफारिश की थी। सम्बन्धित मास्टर कुछ दिन निलम्बित रहने के बाद पुन: बहाल होकर नये कारनामे करने की तैयारी में है।

'मज़दूर मोर्चा' ने खोज-बीच करने पर पाया कि इस तरह के निर्माणों की 90 स्कूलों की सूची है।

पहले तो इन स्कूलों के निर्माण पर करोड़ों रुपया डकारा गया, अब उनके तोड़ने पर भी भ्रष्ट अधिकारी अच्छी-खासी कमाई करेंगे। संदर्भवश सुधी पाठक जान लें कि शासक वर्ग ने कर दाता के पैसे को लुटने-खाने के लिये सर्व शिक्षा अभियान के नाम से एक निराला पाखंड खड़ा कर रखा है। इसका चेयरमैन ज़िले का अतिरिक्त उपायुक्त होता है। दो-तीन पक्के सरकारी कर्मचारी होते हैं और शेष तमाम ठेकेदारी में कच्चे कर्मचारी होते हैं। निर्माण कार्य के लिये इनके अपने ही जेई तथा एसडीई होते हैं।

सरकार की ओर से आने वाली मोटी-मोटी रकमें ये सब लोग मिल-जुल कर डकारते रहते हैं, कोई पूछने वाला नहीं। इस तरह की लूट-मार का सारा पैसा शिक्षा के बजट से आता है। जाहिर है जब पैसे की इस तरह से लूट-मार होगी तो बच्चों को शिक्षा क्या खाक मिलेगी ? एक लम्बी सूची है। जोकि हम इस पर्चे में प्रकाशित नहीं कर सकते।

भाजपा जनादेश का आदर कर जोड़ तोड़ से बाज आए : त्रिलोचन सिंह

टीम दीपेंद्र सिंह हुड्डा के अधिकतर सदस्य जिला परिषद चुनावों में जीते

करनाल। जिला कांग्रेस कमेटी के संयोजक त्रिलोचन सिंह ने कहा है कि जिला परिषद के चुनावों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की करारी हार हुई है। भाजपा को जनमत का आदर करते हुए जोड़ तोड़ की राजनीति से बचते हुए जिला परिषद के सदस्यों को अपना चेयरमैन चुनने का अधिकार देना चाहिए। इसके अलावा ब्लाक समितियों में भी जनादेश भाजपा के खिलाफ मिला हैं।

उन्होंने कहा कि जिला परिषद के 22 सदस्यों में अधिकतर टीम दीपेंद्र के सदस्य चुने गए हैं। इसके अलावा कांग्रेस के समर्थित प्रत्याशियों को भी जीत मिली हैं कि जिला परिषद के चुनावों में कांग्रेस की रिकार्ड जीत हुई है। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार अधिक मतों से जीते है। जबकि भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की करारी हार हुई है। इससे यह साफ हुआ है कि भाजपा सरकार के प्रति लोगों में असंतोष तेज हो

रहा है और कांग्रेस के प्रति जनसमर्थन बढ़ रहा है। आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत निश्चित है और कांग्रेस की सरकार बनेगी। जिस तरह से राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा का पूरे देश में जन समर्थन मिल रहा है उसके रहते केन्द्र में भाजपा का सफाया तय है और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सासंद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस के प्रदेशाध्या उदयभान सिंह जिस तरह से प्रदेश भर में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में लगे है उसके परिणाम आने वाले समय में दिखाई देंगे। इस अवसर पर कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ कांग्रेस लोगों में जन-जागरण अभियान चला रही है। लगातार कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों के बीच जाकर लोगों की समस्याओं को सुन रहे है।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही लोगों को सरल और सुलभ न्याय मिलेगा। जिस तरह से जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा है उससे लगता है आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनना तय है।

गोलन की टिप्पणियों के खिलाफ विश्वकर्मा समाज का प्रदर्शन

करनाल(जेके शर्मा)-विश्वकर्मा समाज को लेकर पुंडरी विधानसभा से विधायक रणधीर गोलन द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध में विश्वकर्मा समाज ने विरोध प्रदर्शन कर गोलन का पुतला फूंका और नारेबाजी की। समाज के लोगों ने गोलन को सार्वजनिक तौर पर समाज से माफी मांगने की भी मांग की है। गोलन की सदस्यता रद किए जाने की मांग को लेकर समाज के लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इन लोगों ने चेतावनी दी कि यदि गोलन अपनी टिप्पणी को लेकर समाज से माफी नहीं मांगते हैं तो प्रदर्शन और भी उग्र होगा।

स्परण रहे कि रणधीर गोलन का एक बयान सामने आया है कि जिसमें वे कहते हुए नजर आ रहे हैं कि 11 वोटों वाला खाति जाति का प्रत्याशी गांव में सरपंच बना दिया, कितने शर्म की बात है। जिसके बाद से ही विश्वकर्मा समाज में इस बयान को लेकर गुस्सा है। जिसके चलते बुधवार को लोग विश्वकर्मा धर्मशाला में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने विधायक रणधीर गोलन के खिलाफ रोष प्रदर्शन शुरू किया। समाज के लोगों का कहना है कि देश में विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग आपस में प्रेम व भाईचारे के साथ रहते हैं, लेकिन एक विधायक द्वारा किसी एक बिरादरी को लेकर इस तरह की टिप्पणी या जातिसूचक शब्द कहना निंदा का विषय है।

राजा सूरजमल की छवि को बिगाड़ने वालों को खिलाफ प्रदर्शन

करनाल(जेके शर्मा) सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक अहिल्याबाई होलकर सीरियल में महाराजा सूरजमल को कायर डरपोक बताने जैसे आपत्तिजनक शब्दों को लेकर जाट समाज के लोगों ने नाराजगी जताई है।

राष्ट्रीय जाट महासभा और महाराजा सूरजमल एसोसिएशन के सदस्य करनाल में एकत्रित हुए और इनकी छवि बिगाड़ने वालों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करके डीसी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों में शामिल जाट महासभा के पूर्व प्रधान जोगिन्द्र लाठर ने बताया कि सूरजमल को सीरियल में डरपोक कायर और एक हारा हुआ राजा दिखाया गया है, लेकिन सच्चाई तो यह है कि महाराजा सूरजमल एक अजेय राजा थे, जिन्होंने अपने जीवन काल में 88 से ज्यादा युद्ध जीत।

उन्होंने कहा कि टीवी सीरियल के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर इतिहास के साथ

छेड़छाड़ कर रहे हैं जिस कारण समाज के लोगों में रोष है। इतिहास के साथ छेड़छाड़ को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जाट समाज महापुरुषों का सम्मान करता आया है और सम्मान करता रहेगा। लेकिन टीवी सीरियल में जिस तरह से महाराजा सूरजमल पर टिप्पणी की गई है, वह निंदनीय है टीवी चैनल, इसके प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अगर कोई टीवी सीरियल बना भी रहा है तो वह इस बात का बखूबी ध्यान रखें कि किसी समाज या व्यक्ति को उनकी मनगढंत कहानी से ठेस ना पहुंचे।

इस टीवी सीरियल के प्रोड्यूसर व डायरेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाये। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन कार्रवाई नहीं करता तो प्रदर्शन तेज किया जाएगा।